अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तेरापंथ दर्शन (वर्ष : 2025) दिनांक : 17.12.2025

समय सीमा : 3 घंटा द्वितीय वर्ष : प्रथम प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

तेरापंथ का इतिहास–40

प्र. 1 किन्हीं पन्द्रह प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में दीजिए– 16

आचार्य रायचंदजी (किन्हीं छः प्रश्नों के उत्तर दें)–

(क) आचार्य रायचन्द जी ने अपना प्रथम चातुर्मास कहाँ किया?

(ख) आचार्य रायचन्द जी को कौन-कौन से आगम कंठस्थ थे?

(ग) आचार्य ऋषिराय के जयपुर चातुर्मास में मुनि वर्धमान जी ने कितने दिनों का तिविहार तप किया?

(घ) 'सामने पधारते तो लोगों को मानसिक उल्लास मिलता और कर्म कटते' ये शब्द किसने किससे कहे?

(ड़) टीकम डोसी ने तेरापंथ की श्रद्धा कैसे स्वीकार की?

(च) उदयपुर चातुर्मास के बाद आचार्य रायचंदजी कितनी रात गोगूंदा व नांदेसमा में रहे?

(छ) ऋषिराय के शासन काल में कुल कितनी दीक्षाएं हुई, उनमें कितने साधु और साध्वियां थी?

आचार्य जीतमलजी(किन्हीं दस प्रश्नों के उत्तर दें)–

(ज) महासती सरदारां जी की दीक्षा कब, कहाँ व किसके द्वारा हुई?

(झ) मुनि जीतमलजी, मुनि हेमराजजी के साथ कितने वर्षों तक रहे,

(ञ) 'हमारे पास अन्य अनेक सूत्रों की प्रतियां हैं, परंतु भगवती की प्रति नहीं' ये शब्द किसने किससे कहे?

(ट) मुनि सरूपचंदजी मालवा से जिन तीन व्यक्तियों को दीक्षित करके लाए थे उनके नाम लिखें?

(ठ) नाथद्वारा के यतिजी ने मुनि जीतमलजी को कौन-कौन से सूत्रों का दान दिया?

(ड) युवाचार्य जीतमलजी ने आमेट में चातुर्मास के लिए कौन-कौन से संतों को वहां भेजा?

(ढ) सं. 1910 के नाथद्वारा चातुर्मास में जयाचार्य के साथ कितने साधु-साध्वियां थी?

(ण) दंड व प्रायश्चित में क्या अंतर है?

(त) साध्वी कल्लूजी द्वारा अन्तिम समय में की गई तपस्या का उल्लेख करें।

(थ) नरेश रामसिंहजी ने लाला भैरूलालजी द्वारा दिये जाने वाले उपहार को अस्वीकार करते हुए क्या कहा?

(द) मुनि सतीदासजी के जीवन चरित्र का क्या नाम था तथा जयाचार्य उन्हें किस नाम से पुकारते थे?

(ध) सुखपाल को उठाने का कार्य कौन-से मुनियों ने किया था?

(न) जयाचार्य जब दिवंगत हुए, उस समय धर्मसंघ में कितने साधु-साध्वियां विद्यमान थे?

प्र. 2 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्यों में दीजिए– 10

आचार्य रायचंदजी(किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दें)–

(क) 'पद समर्पण' की घटना का उल्लेख करें।

(ख) 'जो अपने प्रति सत्य होता है, वह अन्यत्र भी सत्य होता है' इस पंक्ति से संबद्ध ऋषिरायजी के जीवन की घटना को संक्षेप में लिखें।

(ग) मुनि ईसरजी ने थली क्षेत्र का निरीक्षण करने के बाद आचार्य ऋषिराय से क्या निवेदन किया?

आचार्य जीतमलजी(किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दें)–

(घ) जयाचार्य रचित संस्मरणात्मक कृतियों का उल्लेख करें।

(ड़) जयाचार्य ने सरदारशहर की उलझी हुई धार्मिक स्थिति की तुलना 'जोगी की जटा' से क्यों की?

(च) संलेखना की स्वीकृति प्राप्त करने के लिए साध्वी कल्लू जी ने ऋषिराय से क्या निवेदन किया?

प्र. 3 दोनों प्रश्नों के उत्तर 100 या 150 शब्दों में दीजिए– 14

(क) 'दीक्षा वृद्ध साधुओं को भी आचार्य के पास 'आलोयणा' करनी चाहिए–घटना प्रसंग लिखें।

अथवा

आचार्य ऋषिराय द्वारा थली क्षेत्र में धर्मप्रचार के लिए किये गये प्रथम विहरण को लिखें।

(ख) ''प्रतिबोध दान'' घटना प्रसंग लिखें।

अथवा

'पुत्र कुपुत्र हो जाता है, परंतु पिता कुपिता नहीं होता'–मुनि छोगमलजी द्वारा कहे इन शब्दों से संबंधित घटना को लिखें।'

प्र. 4 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर विस्तार से दें– 30

(क) घटना प्रसंगों से सिद्ध करें कि जयाचार्य जैसे प्रभावक आचार्य शताब्दियों में ही हो पाते हैं।

(ख) जयाचार्य ने हृदय परिवर्तन के आधार पर पुस्तकों का संधिकीकरण करके संघ की स्वाध्याय संबंधी आवश्यकताओं को कैसे पूरा किया?

(ग) भंडारी जी की सामयिक सेवा और जयाचार्य द्वारा पुरस्कार को संदर्भ सहित लिखें।

तेरापंथ प्रबोध–30

प्र. 5 किन्हीं दो पद्यों को भावार्थ सहित लिखें– 14

(क) 'तेरापंथ रो भाग्य विधाता' गीत वाला पद्य।

(ख) 'विद्या के प्रांगण में' गीत वाला पद्य।

(ग) 'भारीमाल गणी म्हारै माला रो मणी' गीत वाला पद्य।

(घ) 'प्रगट्यो एक नयो उद्योत' गीत वाला पद्य।

प्र. 6 कोई चार पद्य लिखें– 16

(क) मुहूरत बाद.....उदार हो।

(ख) कहै देव.....उधार हो।

(ग) मघवा की सी.....आर-पार हो।

(घ) घोर विरोधी.....जोरदार हो।

(ड़) सावण सुद.....अप्रतिकार हो।

(च) 'बंधु-त्रिपुटी' वाला पद्य।

(छ) 'तीन तीर्थ' वाला पद्य।

(ज) 'संत सतियों की संख्या' वाला पद्य।

(झ) 'पुद्गल खीण पडै' वाला पद्य।